कृषि के बाइबिल सिद्धांत

BIBLICAL PRINCIPLES OF AGRICULTURE

श्रमसाध्य काज आ ने खेती-बाड़ी
सँ घृणा नहि करू, जे परमात्मा
द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि।
सिराक 7:15

भोजन के दाम कैसे कम करे |

सिनेमा में अश्लीलता आ कामुक दृश्य पर रोक लगाउ कियाक त एहि तरहक मनोरंजन के परिणाम अकाल पड़त। (टोबिट ४:१३) २.
अकालसँ भोजनक दाम घातीय रूपसँ बढ़त। (२ राजा ६:२५) २.
हस्तमैथुन नहि करू कियाक त एहि स आलसी भ जायत। (सुलेमान 3:14, नीतिवचन 24:30-34 के बुद्धि)
NO WORK NO EAT के नीति बनाउ। (2 थिस्सलुनीकियों 3:10)

प्राकृतिक संसाधन के अधिकतम करब। नदीक कातक सभ जमीन खेती-बाड़ी लेल आवंटित करू। हर घर कें लेल पानी कें पंप या इनार बनाऊं खासकर ओय लोगक कें लेल जे नदी सं दूर छै . (यशायाह ३२:२०) २.
बरसातक पानि जमा करू। (लेवीय २६:३-५) २.
बैल के नस्ल। (नीतिवचन १४:४)

कृषि के महानता आ मूल्य के बढ़ावा दियौ। (अरस्तियास के पत्र ५:९-१०,१३)
नागरिक के अपन भोजन के खेती करय लेल प्रोत्साहित करू. (नीतिवचन 6:6-8, नीतिवचन 27:23-27)
हर शहर के अपन भोजन के आपूर्ति करय मे सक्षम होबाक चाही. (उत्पत्ति ४१:४८) २.

पंचतंत्र

परमेश् वर कहलथिन, "पृथ्वी मे घास, बीया देबय बला जड़ी-बूटी आ फलदार गाछ अपन तरहक फल देबयवला, जकर बीया अपना मे अछि, पृथ्वी पर। धरती मे घास आ जड़ी-बूटी अपन तरहक बीया पैदा करय बला जड़ी-बूटी आ फल देबय बला गाछ, जकर बीया अपना मे छल, ओकर तरह-तरह के अनुसार, परमेश् वर देखलनि जे ई नीक अछि। परमेश् वर कहलथिन, "देखू, हम अहाँ सभ केँ बीया देबयवला हरेक जड़ी-बूटी, जे समस्त पृथ्वी पर अछि, आ सभ गाछ, जाहि मे बीया पैदा करय बला गाछक फल अछि, दऽ देलहुँ अछि। अहाँ सभक लेल ई मांसक लेल होयत। उत्पत्ति १:११-१२,२९

परमेश् वर कहलथिन, "आउ, अपन प्रतिरूप मे मनुष् य केँ अपन प्रतिरूपक अनुसार बनाबी। तेँ परमेश् वर मनुष् य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि, परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनौलनि। नर आ स्त्री बनौलनि ओ हुनका सभ केँ। परमेश् वर हुनका सभ केँ आशीष देलथिन आ परमेश् वर हुनका सभ केँ कहलथिन, "प्रजनन करू आ बढ़ू आ पृथ् वी केँ भरि कऽ ओकरा वश मे करू। उत्पत्ति १:२६-२८

परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वर सभ ओहि गाछ सभ केँ उगा देलनि जे देखबा मे नीक आ भोजनक लेल नीक अछि। गाछी के बीच में जीवन के गाछ आ नीक-बेजाय के ज्ञान के गाछ। उत्पत्ति 2:9

आदम केँ कहलथिन, "अहाँ अपन पत्नीक आवाज सुनलहुँ आ ओहि गाछक फल खा लेलहुँ, जकरा हम अहाँ केँ आज्ञा देने छलहुँ जे, "अहाँ एकर फल नहि खाउ।" अहाँ अपन जीवन भरि दुख मे एकर फल खाएब। काँट-काँट-काँट-काँट सेहो तोरा लेल आनत। खेतक जड़ी-बूटी खाएब। मुँहक पसीना मे रोटी खाएब जाबत धरि जमीन पर नहि आबि जायब। किएक तँ अहाँ ओहि मे सँ निकालल गेलहुँ, किएक तँ अहाँ धूरा छी आ धूरा मे घुरि जायब।" उत्पत्ति ३:१७-१९

तेँ परमेश् वर परमेश् वर हुनका अदन बगीचा सँ पठा देलथिन जे ओ ओहि जमीन केँ जोतय जाहि ठाम सँ ओ निकालल गेल छल। उत्पत्ति ३:२३

तखन इसहाक ओहि देश मे बोवाई कयलनि आ ओही वर्ष मे सौ गुना भेटलनि। उत्पत्ति 26:12

आब फिरौन एकटा बुद्धिमान आ बुद्धिमान आदमी केँ ताकि क' ओकरा मिस्र देश पर राखि दियौक। फिरौन ई काज करथि आ ओहि देश पर अफसर सभ केँ नियुक्त करथि आ सात भरि वर्ष मे मिस्र देशक पाँचम भाग ल' लेथि। ओ सभ आबै बला नीक वर्षक सभटा भोजन जमा कऽ फिरौनक हाथ मे धान जमा करऽ आ नगर सभ मे भोजन राखय। आ ओ भोजन मिस्र देश मे सात वर्षक अकालक विरुद्ध देश मे भंडारक लेल होयत। कि अकाल मे भूमि नष्ट नहि हो। उत्पत्ति 41:33-36

ओ सात वर्षक सभ भोजन मिस्र देश मे जमा कयलनि आ नगर सभ मे भोजन जमा कयलनि। उत्पत्ति 41:48

यूसुफक अनुसार सात वर्षक अभाव आबय लागल। मुदा पूरा मिस्र देश मे रोटी छल। जखन पूरा मिस्र देश भूखल भऽ गेल तऽ लोक सभ फारो सँ रोटी मँगबाक लेल पुकारलनि। जे ओ अहाँ सभ केँ कहैत अछि, से करू। उत्पत्ति 41:54-55

यूसुफ अपन पिता आ अपन भाय सभ आ अपन पिताक घरक सभ लोक केँ अपन कुल-परिवारक अनुसार रोटी सँ पोसैत रहलाह। पूरा देश मे रोटी नहि छल। कारण, अकाल बहुत बेसी छल, जाहि सँ मिस्र देश आ कनानक समस्त देश अकाल मे बेहोश भ' गेल। यूसुफ मिस्र आ कनान देश मे जे पाइ भेटल छल से सभटा पाइ जमा कऽ लेलक, जकरा ओ सभ कीनने छल। मिस्र आ कनान देश मे जखन पाइ खसि पड़ल तऽ सभ मिस्रवासी यूसुफ लग आबि कहलक जे, "हमरा सभ केँ रोटी दिअ, हम सभ अहाँक सोझाँ किएक मरब?" किएक तँ पाइ क्षीण भऽ जाइत अछि। यूसुफ कहलथिन, "अपन माल-जाल दऽ दियौक। आ जँ पाइ खतम भऽ जायत तँ हम अहाँकेँ अहाँक माल-जालक बदला मे दऽ देब। ओ सभ अपन माल-जाल यूसुफ लग अनलनि, तखन यूसुफ ओकरा सभ केँ घोड़ा, भेँड़ा, माल-जाल आ गदहाक बदला मे रोटी देलथिन। ओ साल समाप्त भेला पर ओ सभ दोसर साल हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, "हम सभ हमर मालिक सँ ई बात नहि नुका देब जे हमर सभक पाइ कोना खर्च भऽ गेल। हमर मालिक सेहो हमरा सभक माल-जाल अछि। हमर मालिकक नजरि मे किछु नहि बचल अछि, बल् कि हमरा सभक देह आ हमरा सभक भूमि। हमरा सभ आ हमर सभक जमीन रोटीक बदला मे कीनि दिअ, तखन हम सभ आ हमर सभक देश फिरौनक सेवक बनि जायब। यूसुफ मिस्रक समस्त देश फिरौनक लेल कीनि लेलक। किएक तँ मिस्रक लोक सभ अपन-अपन खेत बेचि देलक, किएक तँ ओकरा सभ पर अकाल पड़ि गेल। लोक सभक बात तँ ओ मिस्र देशक सीमाक एक छोरसँ दोसर छोर धरि शहर सभ दिस लऽ गेलाह। उत्पत्ति 47:12-21

तखन यूसुफ लोक सभ केँ कहलथिन, "देखू, हम आइ अहाँ सभ केँ आ अहाँ सभक जमीन फिरौन लेल कीनि लेलहुँ। बढ़ैत-बढ़ैत अहाँ सभ पाँचम भाग फिरौन केँ दऽ देब आ चारि भाग खेतक बीया आ भोजन आ घरक लोक आ अपन छोट-छोट बच्चा सभक भोजनक लेल चारि भाग अहाँक अपन होयत। उत्पत्ति 47:23-24

छह साल धरि अहाँ अपन जमीनक बोइर करब आ ओकर फल जमा करब। जाहि सँ अहाँक लोकक गरीब सभ खाय, आ जे किछु छोड़ि जायत से खेतक पशु सभ खा जायत।" तहिना अहाँ अपन अंगूरक बगीचा आ अपन जैतूनक बगीचाक संग व्यवहार करब। निर्गमन 23:10-11

अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक सेवा करब, आ ओ अहाँक रोटी आ अहाँक पानि केँ आशीर्वाद देत। आ हम अहाँक बीच सँ बीमारी दूर कऽ देब।" निर्गमन 23:25

जखन अहाँ सभ अपन भूमिक फसल काटि लेब तँ अपन खेतक कोन-कोन पूरा नहि काटि लेब आ ने अपन फसलक फसल जमा करब। अहाँ अपन अंगूरक बगीचा नहि तोड़ब आ ने अपन अंगूरक बगीचा मे सँ एक-एकटा अंगूर जमा करब। अहाँ ओकरा सभ केँ गरीब आ परदेशी लेल छोड़ि देब। लेवीय 19:9-10

अहाँ सभ हमर नियमक पालन करब। अहाँ अपन मवेशी केँ विविध प्रकारक लिंग नहि देब, अपन खेत मे मिश्रित बीया नहि बोयब, आ ने लिनेन आ ऊन मिलाओल वस्त्र अहाँ पर आबि जायत। लेवीय 19:19

जखन अहाँ सभ ओहि देश मे आबि भोजनक लेल सभ तरहक गाछ रोपब तखन ओकर फल केँ अखतना मानल जाय। लेवीय 19:23

जखन अहाँ सभ अपन देशक फसल काटि लेब तखन काटि कऽ अपन खेतक कोन-कोन सभ केँ साफ-सुथरा नहि निकालब आ ने अपन फसलक कोनो फसल जमा करब। लेवीय 23:22

छह साल धरि अहाँ अपन खेत मे बोअब आ छह साल धरि अपन अंगूरक बगीचा केँ छंटाई करब आ ओकर फल जमा करब। मुदा सातम वर्ष मे देशक विश्रामक विश्रामक दिन होयत, परमेश् वरक विश्रामक दिन होयत। लेवीय 25:3-4

ओ पचासम वर्ष अहाँ सभक लेल जुबली नहि होयत, आ ने ओहि मे जे किछु उगैत अछि से काटब आ ने ओहि मे अपन बेल केर अंगूर केँ उघार कऽ जुटब। कारण, ई जुबली अछि। ओ अहाँ सभक लेल पवित्र होयत। लेवीय 25:11-12

तेँ अहाँ सभ हमर नियम सभक पालन करब आ हमर नियम सभक पालन करब आ ओकर पालन करब। अहाँ सभ ओहि देश मे सुरक्षित रहब।" ओहि देश मे ओकर फल भेटत, आ अहाँ सभ अपन पेट भरि कऽ ओहि मे सुरक्षित रहब। जँ अहाँ सभ कहब जे, "सातम वर्ष मे हम सभ की खाएब?" देखू, हम सभ नहि रोपब आ ने अपन उपजा जमा करब, तखन हम छठम वर्ष मे अहाँ सभ पर अपन आशीर्वादक आज्ञा देब, आ ई तीन वर्ष धरि फल देत। अहाँ सभ आठम साल बोइब आ नवम वर्ष धरि पुरान फल खाउ। जाबे तक ओकर फल नै आओत ताबे तक अहाँ सभ पुरान भंडार मे सँ खाएब।" लेवीय 25:18-22

जँ अहाँ सभ हमर नियम सभ मे चलब आ हमर आज्ञा सभक पालन करब आ ओकर पालन करब। तखन हम अहाँ सभ केँ उचित समय मे बरखा देब, आ देश मे ओकर फल भेटत, आ खेतक गाछ सभ अपन फल देत। अहाँ सभक कुटनी फँसबाक समय धरि पहुँचत, आ फसल बोनाइक समय धरि पहुँचत। लेवीय 26:3-5

देशक सभ दसमांश, चाहे ओ देशक बीया वा गाछक फल हो, प्रभुक अछि। लेवीय 27:30

कारण, तोहर परमेश् वर परमेश् वर अहाँ सभ केँ नीक देश मे लऽ जाइत छथि, जे पानिक धार, झरना आ गहींर देश मे अछि जे घाटी आ पहाड़ी सँ निकलैत अछि। गहूम, जौ, बेल, अंजीरक गाछ आ अनारक गाछक देश। तेल जैतून आ मधुक देश। जाहि देश मे अहाँ बिना कमी के रोटी खाएब, ओहि मे अहाँ केँ कोनो वस्तुक कमी नहि होयत। एकटा एहन देश जकर पाथर लोहाक अछि आ जकर पहाड़ी पर सँ अहाँ पीतल खोदब। जखन

अहाँ भोजन कए पेट भरब तखन अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर कैँ ओहि नीक भूमिक लेल आशीर्वाद देबनि जे ओ अहाँ कैँ देने छथि। व्यवस्था 8:7-10

जँ अहाँ सभ हमर आज्ञा सभ कैँ पूरा मन सँ मानब जे आइ हम अहाँ सभ कैँ आज्ञा दैत छी, जे अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करू आ पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ हुनकर सेवा करू, तँ हम अहाँ सभ कैँ हुनकर उचित समय मे अहाँक देशक वर्षा, पहिल बरखा आ बादक बरखा देब, जाहि सँ अहाँ सभ अपन धान, अपन मदिरा आ तेल जमा कऽ सकब। हम तोहर खेत मे घास पठा देबौक जे तोहर माल-जालक लेल खाइ आ पेट भरब। व्यवस्था 11:13-15

अहाँ अपन बीयाक सभटा दशमांश दऽ दियौक जे खेत मे साल दर साल उपजैत अछि। व्यवस्था 14:22

अहाँ अपन अंगूरक बगीचा मे तरह-तरह के बीया नहि बोउ, जाहि सँ अहाँ जे बीया बोने छी, ओकर फल आ अंगूरक बगीचा मे जे फल अशुद्ध नहि भ' जाय। व्यवस्था 22:9

जखन अहाँ अपन खेत मे अपन फसल काटि कऽ खेत मे एकटा गुच्छा बिसरि गेलहुँ तँ फेर ओकरा आनय लेल नहि जायब। व्यवस्था 24:19

जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन आ पालन करब जे हम आइ अहाँ कैँ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर अहाँ कैँ पृथ् वीक सभ जाति सँ ऊपर राखि देताह। नगर मे धन्य रहब आ खेत मे धन्य होयब। धन्य होयत तोहर शरीरक फल, तोहर जमीनक फल, आ तोहर माल-जालक फल, तोहर गामक फल आ तोहर भेँड़ाक झुंड। तोहर टोकरी आ तोहर भंडार धन्य होयत। व्यवस्था २८:१-५

परमेश् वर तोरा सम् पत्ति, तोहर शरीरक फल, तोहर माल-जाल आ तोहर जमीनक फल मे, ओहि देश मे प्रचुर बनौताह, जकरा परमेश् वर तोहर पूर्वज सभ कैँ शपथ देने छलाह जे अहाँ कैँ देब। परमेश् वर अहाँक लेल अपन नीक खजाना, आकाश खोलताह जे अहाँक देश मे बरखाक समय मे बरखा देत आ अहाँक हाथक सभ काज कैँ आशीर्वाद देत। व्यवस्था २८:११-१२

इतिहास

तेँ अहाँ आ अहाँक बेटा आ नोकर सभ हुनका लेल देशक खेती करब आ फल-फूल आनब जाहि सँ अहाँक मालिकक बेटा कैँ भोजन भेटय। सीबा के पन्द्रह टा बेटा आ बीस टा नोकर छलनि। 2 शमूएल 9:10

सामरिया मे बहुत अकाल पड़ि गेलैक, जाबत धरि ओ सभ ओकरा घेराबंदी क’ देलकैक, जाबत धरि एकटा गदहाक माथ चौड़ा चानी मे आ कबूतरक गोबरक चारिम भाग पाँच चानी मे नहि बिका गेल। 2 राजा 6:25

ओ यरूशलेम मे रहनिहार लोक सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ पुरोहित आ लेवी सभक भाग दऽ दियौक जाहि सँ ओ सभ परमेश् वरक धर्म-नियम मे उत्साहित होथि। आज्ञा जहिना आबि गेल तहिना इस्राएलक लोक सभ खेतक सभ उपजाक पहिल फलक प्रचुर मात्रा मे धान, मदिरा, तेल, मधु आनि अनलक। आ सभ वस्तुक दसम भाग ओकरा सभ कैँ प्रचुर मात्रा मे आनि देलक। यहूदाक नगर मे रहनिहार इस्राएल आ यहूदाक लोक सभक विषय मे बैल आ भेड़क दसम भाग आ पवित्र वस्तुक दसम भाग आनि अपन परमेश् वर परमेश् वरक लेल समर्पित कयल गेल आ ओकरा सभ कैँ ढेर मे राखि देलक। 2 इतिहास 31:4-6

आ अपन जमीनक पहिल फल आ सभ गाछक सभ फलक पहिल फल साल दर साल परमेश् वरक घर मे आनब, संगहि हमरा सभक पुत्र आ मवेशीक जेठ बच्चा, जेना कि व्यवस्था मे लिखल अछि, आ हमरा सभक भेँड़ा आ भेँड़ाक जेठ बच्चा केँ अपन परमेश् वरक घर मे सेवा करयवला पुरोहित सभक लग अनबाक लेल हमरा सभक आटा, बलिदान आ सभ तरहक गाछक फल, मदिरा आ तेल, पुरोहित सभ केँ, हमरा सभक परमेश् वरक घरक कोठली सभ मे। आ हमरा सभक जमीनक दसम भाग लेवी सभ केँ देल गेल, जाहि सँ ओहि लेवी सभ केँ हमरा सभक खेती-बाड़ीक सभ शहर मे दसम भाग भेटय। हारूनक पुत्र पुरोहित जखन लेवी दसम भाग लेत तखन लेवी सभक संग रहताह आ लेवी लोकनि दसम भागक दसम भाग हमरा सभक परमेश् वरक घर मे, कोठली सभ मे, खजाना मे अनताह। कारण, इस्राएल आ लेवीक सन् तान सभ ओहि कोठली सभ मे धानक चढ़ा, नवका मदिरा आ तेल आनत, जतय पवित्र स्थानक बर्तन, सेवा करऽ वला पुरोहित, द्वारपाल आ गायक सभ अछि। नहेम्याह 10:35-39

शायरी

हम परमेश् वरक खोज करितहुँ आ परमेश् वर केँ अपन काज सौंपब। अद्‌भुत बात अनगिनत: जे पृथ्वी पर बरखा दैत छथि आ खेत पर पानि पठाबैत छथि: अय्यूब 5:8-10

अहाँ ओकरा अपन हाथक काज पर प्रभुत्व बनेलियैक। अहाँ सभ किछु ओकर पएरक नीचाँ राखि देलहुँ: सभ भेँड़ा-बगल, हँ, आ खेतक जानवर। हवाक चिड़ै आ समुद्रक माछ आ जे किछु समुद्रक बाटसँ गुजरैत अछि। हे हमर प्रभु, अहाँक नाम समस्त पृथ्वी मे कतेक श्रेष्ठ अछि! भजन 8:6-9

ओ मवेशीक लेल घास आ मनुखक सेवाक लेल जड़ी-बूटी उगाबैत छथि, जाहि सँ ओ पृथ्वी सँ भोजन निकालि सकथि। मनुष् यक हृदय केँ आनन्दित करयवला दारू आ ओकर मुँह चमकाबय लेल तेल आ मनुष् यक हृदय केँ मजगूत करयवला रोटी। भजन 104:14-15

ओ जंगल केँ ठाढ़ पानि मे बदलि दैत छथि, आ सूखल जमीन केँ जलस्रोत मे बदलि दैत छथिन। भूखल लोक केँ ओतहि रहय दैत छथिन, जाहि सँ ओ सभ रहबाक लेल नगर तैयार करथि। खेत मे बोउ आ अंगूरक बाग लगाउ, जाहि सँ बढ़बाक फल भेटय। ओ हुनका सभ केँ सेहो आशीष दैत छथिन, जाहि सँ ओ सभ बहुत बढ़ि जाइत छथि। आ ओकरा सभक माल-जाल केँ कम नहि होबय दैत छैक। भजन 107:35-38

हे सुस्त, चींटी लग जाउ; ओकर बाट पर विचार करू आ बुद्धिमान बनू। नीतिवचन 6:6-8

जे गर्मी मे जमा करैत अछि से बुद्धिमान बेटा अछि, मुदा जे फसल काटि मे सुतल अछि से लज्जित करय बला बेटा अछि। नीतिवचन 10:5

जे अपन देशक खेती करैत अछि से रोटी सँ तृप्त होयत, मुदा जे व्यर्थक पाछाँ चलैत अछि, से बुद्धिहीन अछि। नीतिवचन 12:11

गरीबक खेती मे बहुत रास भोजन होइत छैक, मुदा एहन अछि जे न्यायक अभाव मे नष्ट भ' जाइत छैक। नीतिवचन 13:23

जहाँ बैल नै छै, पालना साफ छै: लेकिन बहुत बढ़ोत्तरी बैल के ताकत सं होय छै । नीतिवचन 14:4

सुस्त जाड़क कारणेँ जोत नहि करत; तेँ ओ फसल काटि मे भीख मांगत, मुदा ओकरा लग किछु नहि।" नीतिवचन 20:4

हम आलसी लोकक खेत आ बुद्धिहीन लोकक अंगूरक बाग लग गेलहुँ। देखू, ओ सभ काँट-काँटसँ उगने छल आ ओकर मुँह पर बिछुआ झाँपि देने छल आ पाथरक देबाल टूटि गेल छल। तखन हम देखलहुँ आ नीक जकाँ बुझलहुँ, ओकरा देखलहुँ आ शिक्षा भेटल। तइयो कनि नींद, कनि नींद, कनि हाथ मोड़ि कऽ सुतब। आ हथियारबंद आदमीक रूप मे तोहर अभाव। नीतिवचन 24:30-34

अहाँ अपन भेँड़ाक स्थिति जानय मे लगनशील रहू आ अपन झुंड केँ नीक जकाँ देखू। किएक तँ धन-सम्पत्ति सदाक लेल नहि अछि, की मुकुट सभ पीढ़ी धरि टिकैत अछि? घास देखाइत अछि, कोमल घास देखाइत अछि, आ पहाड़क जड़ी-बूटी जमा भ' जाइत अछि। मेमना अहाँक वस्त्रक लेल अछि, आ बकरी खेतक दाम अछि। आ अहाँक भोजन, घरक भोजन आ कुमारि सभक भरण-पोषणक लेल बकरीक दूध पर्याप्त होयत। नीतिवचन 27:23-27

जे अपन जमीनक खेती करत ओकरा रोटी भरपूर भेटतैक, मुदा जे व्यर्थक पाछाँ चलत ओकरा गरीबी भरि पड़तैक। नीतिवचन 28:19

ओ खेत पर विचार करैत अछि आ ओकरा कीनि लैत अछि, अपन हाथक फल सँ अंगूरक बगीचा रोपैत अछि। नीतिवचन 31:16

तहूमे पृथ्वीक लाभ सभक लेल होइत छैक, राजा स्वयं खेतक सेवा करैत छथि। उपदेशक 5:9

मनुक्खक सभटा मेहनत ओकर मुँहक लेल होइत छैक, तइयो भूख नहि भरल छैक। उपदेशक 6:7

जे हवाक पालन करैत अछि, से बोन नहि करत। मेघक परवाह केओ काटि नहि लेत।" भोरे अपन बीया बोउ, आ साँझ मे हाथ नहि रोकू, किएक तँ अहाँ नहि जनैत छी जे ई वा ओ, आ दुनू गोटे एक समान नीक हेताह। उपदेशक ११:४,६

भविष्यवक्ता

अहाँक कान अहाँक पाछाँ सँ एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ सभ दहिना दिस घुमब आ बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलू।" चानीक उकेरल मूर्तिक आवरण आ सोनाक पिघलल मूर्तिक आभूषण केँ सेहो अशुद्ध करब। अहाँ ओकरा कहब जे, "अहाँ सँ चलि जाउ।" तखन ओ अहाँक बीयाक बरसात देत जे अहाँ जमीन मे रोपब। आ पृथ् वीक बढ़ल रोटी आ ओ मोटगर आ भरपूर होयत। बैल आ जमीन कानय बला गदहा सभ सेहो साफ-सुथरा भोजन करत जे फावड़ा आ पंखा सँ चीरल गेल अछि। यशायाह ३०:२१-२४

धन्य छी अहाँ सभ जे सभ पानिक कात मे बीन लगाबैत छी आ बैल-गदहाक पएर ओतऽ पठाबैत छी। यशायाह 32:20

सुखल जमीन पोखरि बनि जायत आ प्यासल भूमि पानि के झरना बनि जायत। यशायाह 35:7

जे रोटी नहि अछि तकरा लेल अहाँ सभ पाइ किएक खर्च करैत छी? आ अहाँ सभक परिश्रम जे तृप्त नहि करैत अछि? हमर बात सुनि लिअ आ नीक जे किछु खाउ, आ अपन प्राण मोट मे आनन्दित होउ। यशायाह 55:2

किएक तँ जहिना बरखा होइत अछि आ स् वर्गसँ बर्फ अबैत अछि आ ओतऽ घुरि कऽ नहि अबैत अछि , बल् कि धरतीकेँ पानि दऽ दैत अछि आ ओकरा अंकुरित करैत अछि जाहिसँ ओ बोनिहारकेँ बीया आ खाएबलाकेँ रोटी दैत अछि , तहिना हमर वचन जे हमर मुँहसँ निकलैत अछि , ओ हमरा शून्य नहि घुरि जायत , बल् कि ओ हमरा जे नीक लागय से पूरा करत आ जे चीज हमरा चाही से पूरा करत हम पठा देलियैक। यशायाह 55:10-11

परमेश् वर यहूदा आ यरूशलेमक लोक सभ केँ ई कहैत छथि जे, "अपन परती जमीन केँ तोड़ि दियौक आ काँट-काँट मे नहि बोउ।" यिर्मयाह 4:3

परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आबि गेलनि जे, "मनुख-पुत्र, जखन देश हमरा पर बहुत अपराध क' क' पाप करत, तखन हम ओकरा पर अपन हाथ पसारि देब आ ओकर रोटीक लाठी तोड़ब आ ओकरा पर अकाल पठायब आ ओकरा मे सँ मनुक्ख आ जानवर केँ काटि देब

एकरा नीक माटि मे बड़का-बड़का पानि मे रोपल गेल छल, जाहि सँ डारि निकलय आ फल भेटय, जाहि सँ नीक बेल बनय। इजकिएल 17:8

अहाँ सभ ओहि देश मे रहब जे हम अहाँ सभक पूर्वज केँ देने रही। अहाँ सभ हमर प्रजा बनब आ हम अहाँक परमेश् वर बनब।" हम अहाँ सभ केँ सेहो अहाँक सभटा अशुद्धता सँ बचा लेब। हम गाछक फल आ खेतक बढ़ब बढ़ा देब जाहि सँ अहाँ सभ केँ आब जाति-जाति मे अकाल मे कोनो तरहक निन्दा नहि भेटय।" तखन अहाँ सभ अपन अधलाह काज आ अपन अधलाह काज सभ केँ मोन पाड़ब जे नीक नहि छल, आ अपन अधर्म आ घृणित काजक कारणेँ अपना केँ अपना केँ घृणा करब। इजकिएल 36:28-31

धार्मिकता मे अपना लेल बोउ, दया मे फसल काटि लिअ। अपन परती जमीन तोड़ि दियौक, किएक तँ परमेश् वर केँ ताकबाक समय आबि गेल अछि जाबत धरि ओ नहि आबि अहाँ सभ पर धार्मिकताक वर्षा नहि करथि।" होशे 10:12

हम अहाँ सभ केँ सभ नगर मे दाँत सँ साफ-सफाई आ सभ ठाम रोटीक अभाव सेहो देलहुँ। हम अहाँ सभ सँ बरखा रोकने छी, जखन कि फसल काटय मे तीन मास रहि गेल छल, आ हम एक नगर मे बरखा करौलहुँ आ दोसर शहर मे बरखा नहि केलहुँ। तेँ दू-तीन नगर पानि पीबाक लेल एक नगर मे भटकल। मुदा ओ सभ तृप्त नहि भेलाह, मुदा अहाँ सभ हमरा लग नहि घुरल छी।" हम अहाँ सभ केँ धमाका आ फफूंदी सँ मारि देलहुँ, जखन अहाँक गाछी-बिरछी, अंगूरक बगीचा, अंजीरक गाछ आ जैतूनक गाछ बढ़ि गेल तखन ताड़क कीड़ा ओकरा सभ केँ खा गेल। हम अहाँ सभक बीच मिस्रक प्रथा जकाँ महामारी पठौने छी, अहाँ सभक युवक सभ केँ हम तलवार सँ मारि देलहुँ आ अहाँ सभक घोड़ा सभ केँ छीनि लेलहुँ। हम अहाँ सभक डेरा सभक दुर्गन्ध केँ अहाँ सभक नाकक छेद धरि पहुँचा देलहुँ। आमोस ४:६-१०

अंजीरक गाछ नहि फूलत, मुदा बेल मे फल नहि होयत। जैतूनक श्रम क्षीण भ' जायत, आ खेत मे अन्न नहि भेटत। भेँड़ा झुंड मे सँ काटि देल जायत, आ ठेला मे भेँड़ा नहि रहत। हबक्कूक 3:17-18

श्रमसाध्य काज आ ने खेती-बाड़ी सँ घृणा नहि करू, जे परमात्मा द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि। सिराक 7:15

हे अहाँ सभ, की अहाँ सभक लेल अपन सिलेबला घर मे रहबाक समय आबि गेल अछि आ ई घर उजाड़ भ' गेल अछि? आब सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। अपन तरीका पर विचार करू। अहाँ सभ बहुत बोनि लेने छी आ कम आनि रहल छी। अहाँ सभ भोजन करैत छी, मुदा अहाँ सभ लग पेट नहि अछि। अहाँ सभ पीबैत छी, मुदा अहाँ सभ पीबैत नहि छी। अहाँ सभ कपड़ा पहिरैत छी, मुदा गरम कियो नहि अछि। जे मजदूरी कमाइत अछि से ओकरा छेद वाला झोरा मे राखि कऽ मजदूरी कमाइत अछि। सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। अपन तरीका पर विचार करू। हग्गै १:४-७

कारण बीया समृद्ध होयत। बेल ओकरा फल देतैक, आ जमीन ओकरा फल देतैक, आ आकाश ओकर ओस देतैक। हम एहि लोकक शेष लोक केँ एहि सभ वस्तु केँ अपना मे समेटि देब।" जकरयाह 8:12

सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे जँ हम अहाँ सभ केँ स् वर्गक खिड़की नहि खोलि कऽ अहाँ सभ केँ आशीष नहि ढारि देब तँ अहाँ सभ सभ दसम भाग भंडार मे आनि दिअ जाहि सँ हमर घर मे भोजन भेटय, आ हमरा एखन एहि सँ परखल जाउ।" हम अहाँ सभक लेल भक्षक केँ डाँटब, आ ओ अहाँक जमीनक फल केँ नष्ट नहि करत। आ ने अहाँक बेल खेत मे समय सँ पहिने अपन फल नहि फेकत, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि। सभ जाति अहाँ सभ केँ धन्य कहत, किएक तँ अहाँ सभ एकटा रमणीय देश होयब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि। मलाकी ३:१०-१२

सुसमाचार पत्र

तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, "सत्ते फसल बहुत अछि, मुदा मजदूर कम अछि। तेँ अहाँ सभ फसलक मालिक सँ प्रार्थना करू जे ओ अपन फसल मे मजदूर सभ केँ पठाबथि। मत्ती 9:37-38

ओ हुनका सभ केँ दृष्टान्त मे बहुतो बात कहलथिन, "देखू, एकटा बोनिहार बोनिय लेल निकलल छल। जखन ओ बोइलाह तँ बाट कात मे किछु बीया खसि पड़ल आ चिड़ै सभ आबि कऽ ओकरा सभ केँ खा गेल, किछु पाथरक जगह पर खसि पड़ल, जतय ओकरा सभ लग बेसी माटि नहि छलैक, आ तुरन्त ओ सभ उगलि गेल, कारण ओकरा सभ मे माटिक गहींरता नहि छलैक। जड़ि नहि रहबाक कारणेँ ओ सभ मुरझा गेल। किछु काँटक बीच खसि पड़ल। काँट उगलि कऽ ओकरा सभ केँ गला दबा देलक, मुदा किछु नीक जमीन मे खसि पड़ल आ किछु सौ गुना, किछु साठि गुना, किछु तीस गुना फल देलक। जेकरा सुनै के कान छै, वू सुनै। मत्ती 13:3-9

ओ हुनका सभ केँ एकटा आओर दृष्टान्त दैत कहलथिन, "स्वर्गक राज् य एकटा सरसोकक दाना जकाँ अछि, जकरा मनुष् य अपन खेत मे बोनि लेलक। मत्ती १३:३१-३२

तेँ ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "सत्ते फसल बहुत अछि, मुदा मजदूर कम अछि। लूका 10:2

ओ ई दृष्टान्त सेहो कहलनि। एक आदमीक अंगूरक बगीचा मे अंजीरक गाछ रोपल छल। ओ आबि कऽ ओहि पर फल ताकैत रहलाह, मुदा कोनो फल नहि भेटलनि। तखन ओ अपन अंगूरक बगीचाक साज-सज्जा करयवला केँ कहलथिन, "देखू, तीन साल सँ हम एहि अंजीरक गाछ पर फल ताकैत आबि रहल छी, मुदा कोनो नहि भेटैत अछि। एकरा जमीन पर किएक बोझिल अछि? ओ उत्तर देलथिन, "प्रभु, एहि साल सेहो छोड़ू, जाबत हम ओकरा चारू कात खोदब आ ओकरा गोबर नहि देब। लूका 13:6-9

अहाँ सभ ई नहि कहब जे आब चारि मास अछि, तखन फसल काटि आबि जायत? देखू, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, आँखि उठा कऽ खेत दिस देखू। कारण, फसल काटय लेल पहिने सँ उज्जर भ' गेल अछि। जे

फसल काटि लैत अछि, तकरा मजदूरी भेटैत अछि आ अनन्त जीवनक लेल फल जुटाबैत अछि, जाहि सँ बोनिहार आ काटनिहार दुनू गोटे एक संग आनन्दित होथि। यूहन्ना 4:35-36

हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे, जाबत धरि गहूमक धान जमीन मे खसि कऽ नहि मरि जायत, तखन ओ असगरे रहैत अछि। यूहन्ना 12:24

जमीन पर पहुँचैत देरी ओ सभ ओतय कोयला मे आगि लागल, ओहि पर माछ आ रोटी बिछल देखलनि। यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अखन जे माछ पकड़ने छी, तकरा सभ कैँ आनू।" यूहन्ना 21:9-10

तैयो ओ अपना कैँ गवाही रहित नहि छोड़ि देलनि जे ओ नीक काज कयलनि आ हमरा सभ कैँ स् वर्ग सँ वर्षा आ फल-फूलक ऋतु देलनि, जाहि सँ हमरा सभक हृदय भोजन आ आनन्द सँ भरि देलनि। प्रेरितों के काम 14:17

पत्र

मुदा हम ई कहैत छी जे जे कम बोनि लेत से कम फसल सेहो काटि लेत। जे बहुत रास बोनि लेत से भरपूर फसल सेहो काटि लेत। 2 कोरिन्थी 9:6

परमेश् वर अहाँ सभक प्रति सभ अनुग्रहक भरमार करबा मे सक्षम छथि। जाहि सँ अहाँ सभ सभ काज मे सदिखन पर्याप्तता राखि कऽ सभ नीक काज मे प्रचुरता राखि सकब उदारता, जे हमरा सभक द्वारा परमेश् वरक धन्यवाद दैत अछि। 2 कोरिन्थी 9:8-11

नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ जँ बेहोश नहि भऽ जायब तँ उचित समय पर काटि लेब। गलाती 6:9

हम सभ जखन अहाँ सभक संग छलहुँ तखनो हम सभ अहाँ सभ कैँ ई आज्ञा देलहुँ जे जँ केओ काज नहि करय चाहैत अछि तँ ओ भोजन नहि करथि। 2 थिस्सलुनीकियों 3:10

एपोक्रिफा

किएक तँ जहिना किसान जमीन पर बहुत बीया बोबैत अछि आ बहुत रास गाछ रोपैत अछि, मुदा समय मे नीक बोनल नहि उठैत अछि आ ने सभ रोपल जड़ि नहि उठैत अछि। सभ उद्धार नहि पाओत। २ एस्द्रा ८:४१

जेना किसानक बीया जँ नहि उठैत अछि आ उचित समय पर अहाँक वर्षा नहि भेटैत अछि तँ नाश भ' जाइत अछि। जँ बेसी बरखा भ' क' ओकरा नष्ट क' दैत अछि, तहिना मनुष्य सेहो नष्ट भ' जाइत अछि, जे तोहर हाथ सँ बनल अछि आ ओकरा अपन प्रतिरूप कहल जाइत अछि, किएक त' अहाँ ओकरा जकाँ छी, जकरा लेल अहाँ सभ किछु बनौने छी आ ओकरा किसानक बीया सँ उपमा देने छी। २ एस्द्रा ८:४३-४४

ओ हमरा उत्तर देलथिन, "जहिना खेत अछि, तहिना बीया सेहो अछि। जेना फूल होइत छैक, रंग सेहो एहने होइत छैक; जेना मजदूर अछि, तेहन काज सेहो अछि। जहिना किसान स्वयं होइत अछि, तहिना ओकर खेती-बाड़ी सेहो अछि, किएक तँ ओ संसारक समय छल। २ एस्द्र ९:१७

...किएक तँ घमंड मे विनाश आ बहुत कष्ट होइत छैक, आ अश्लीलता मे क्षय आ बहुत अभाव होइत छैक, कारण अश्लीलता अकाल केर माय होइत छैक। टोबिट ४:१३

तेँ युवक स् वर्गदूतक आज्ञानुसार कयलक। माछ भुजि कऽ ओ सभ ओकरा खा लेलक, तखन दुनू गोटे एकबटानेक नजदीक नहि पहुँचि गेल। टोबिट 6:5

धन्य अछि ओ नपुंसक, जे अपन हाथ सँ कोनो अधर्म नहि केने अछि आ ने परमेश् वरक विरुद्ध दुष् ट बातक कल्पना नहि केलक अछि, किएक तँ ओकरा विश् वासक विशेष वरदान देल जायत आ प्रभुक मन् दिर मे ओकर मन मे बेसी स्वीकार्य उत्तराधिकार देल जायत। सुलेमान 3:14 के बुद्धि

श्रमसाध्य काज आ ने खेती-बाड़ी सँ घृणा नहि करू, जे परमात्मा द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि। सिराक 7:15

जे अपन देशक खेती करैत अछि, से ओकर ढेर बढ़ाओत, आ जे महान लोक केँ नीक लगैत अछि, ओकरा अधर्मक क्षमा भेटतैक। सिराक 20:28

जखन अहाँ सभ खेत मे फलदार सम्पत्ति पाबि लेब तखन ओकरा अपन बीया सँ बोउ, अपन भंडारक भलाई पर भरोसा राखि। सिराक २६:२०

तखन ओ सभ शान्तिपूर्वक अपन जमीनक खेती केलक आ धरती ओकरा फल देलक आ खेतक गाछ सभ सेहो फल देलक। 1 मक्काबियों 14:8

अदन के बिसरल किताब

तेँ लोक खेती आ माटिक खेती मे अपना केँ समर्पित करब बाध्य अछि जाहि सँ एहि माध्यमे ओकरा फसलक प्रचुर आपूर्ति भ' सकय । एहि तरहेँ हर तरहक खेती होइत अछि आ उपरोक्त भूमि मे प्रचुर फसल काटल जाइत अछि | अरिस्टियस के पत्र 5:9-10

देशक लोक ग्रामीण जिलासँ पलायन कए शहरमे बसि कए खेतीकेँ बदनामी कए देलक : आ तेँ शहरमे बसबासँ रोकबाक लेल राजा आदेश देलनि जे बीस दिनसँ बेसी एहिमे नहि रहबाक चाही | अरस्तिया के पत्र 5:13

तेँ हे बच्चा सभ, स्त्रीगणक सौन्दर्य पर कोनो ध्यान नहि दियौक आ ने ओकर काज मे मोन राखू। मुदा प्रभुक भय मे एकल हृदय मे चलू आ नीक काज आ पढ़ाई आ अपन भेँड़ा मे मेहनति करू, जाबत धरि प्रभु अहाँ सभ केँ एकटा पत्नी नहि देथिन, जकरा ओ चाहैत छथि, जाहि सँ अहाँ सभ हमरा जकाँ कष्ट नहि उठाबथि। रूबेन 2:1 के नियम

खेती-बाड़ीक लेल पीठ झुकाउ आ सभ तरहक खेती-बाड़ी मे परिश्रम करू आ धन्यवादक संग प्रभु केँ वरदान चढ़ाउ। कारण, प्रभु अहाँ सभ केँ पृथ्वीक पहिल फल सँ आशीर्वाद देथिन, जेना ओ हाबिल सँ एखन धरि सभ संत केँ आशीर्वाद देलनि। किएक तँ अहाँ सभ केँ ओहि पृथ् वीक मोटाई सँ बेसी कोनो भाग नहि देल गेल अछि, जकर फल परिश्रम सँ उठैत अछि। कारण, हमरा सभक पिता याकूब हमरा पृथ् वी आ पहिल फलक आशीष दऽ देलनि। यशाकर 1:39-42 के नियम

हम सबसँ पहिने समुद्र पर चलबाक लेल नाव बनेलहुँ, कारण प्रभु हमरा ओहि मे समझ आ बुद्धि देलनि। हम ओकर पाछू एकटा पतवार खसा देलियैक आ बीच मे एकटा आओर सोझ लकड़ी पर एकटा पाल पसारि देलियैक। हम ओहि मे समुद्रक कात मे जहाज सँ अपन पिताक घरक लेल माछ पकड़ैत गेलहुँ जाबत धरि हम सभ मिस्र नहि पहुँचलहुँ। आ करुणा के माध्यम स हम अपन पकड़ल हर अनजान आदमी के संग बांटलहुं। जँ केओ परदेशी, वा बीमार वा बूढ़ छल, तँ हम माछ उबालि कऽ ओकरा नीक जकाँ सजबैत छलहुँ आ सभ लोकक लेल चढ़ा दैत छलहुँ, जेना-जेना सभ लोक ओकरा संग शोक करैत आ ओकरा पर दया करैत छलहुँ। तेँ प्रभु हमरा माछ पकड़बा काल प्रचुर मात्रा मे माछ सँ तृप्त कयलनि। किएक तँ जे अपन पड़ोसीक संग भाग लैत अछि, तकरा प्रभु सँ बहुत गुना बेसी भेटैत छैक। पाँच वर्ष धरि हम माछ पकड़ैत छलहुँ आ जकरा देखलहुँ ओकरा सभ केँ दऽ दैत छलहुँ आ हमर पिताक समस्त घरक लेल पर्याप्त छल। गर्मी मे हम माछ पकड़ैत छलहुँ आ जाड़ मे हम अपन भाइ सभक संग बरद पोसैत छलहुँ। जबबुलन 2:6-13 के नियम